Phone 0151 2250018, 0151 2250570
e-mail : bikaneragromet@gmail.com

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

कृषि अनुसंधान केन्द्र

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय,

बीकानेर - 334 006

उत्तमा वृत्तिस्तु कृषिकर्मेव

डा. नरेन्द्र कुमार पारीक
तकनीकी अधिकारी

क्रमांकः एफ/एग्रो/एग्रोमेट./17/ दिनांक 13.04.2018

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह

अवधि 14 अप्रैल 2018 से 18 अप्रैल 2018 तक

मौसमपूर्वानुमानः भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, नई दिल्ली एवं जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर **बीकानेर जिले** में आगामी 5 दिनों मे मौसम पूर्वानुमान निम्नांकित रहने की सम्भावना है ।

मौसमकारक		दिनांक				
		14.04.2018	15.04.2018	16.04.2018	17.04.2018	18.04.2018
1.	वर्षा	**0**	**0**	**5**	**3**	**6**
2.	आसमान में बादलो की स्थिति	आंशिक बादल	आंशिक बादल	बादल	घने बादल	घने बादल
3.	तपमान में वृद्वि / कमी					
	अधिकतम	**37**	**36**	**35**	**35**	**34**
	न्यूनतम	**25**	**23**	**22**	**22**	**21**
4.	वायुदिशा	दक्षिणी दक्षिणी पूर्वी	पूर्वी	पूर्वी दक्षिणी पूर्वी	दक्षिणी दक्षिणी पूर्वी	दक्षिणी
5.	सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)					
	अधिकतम	**58**	**65**	**69**	**75**	**78**
	न्यूनतम	**11**	**15**	**16**	**16**	**18**
6.	औसत वायु गति {कि./घण्टा}	**7**	**3**	**5**	**7**	**7**
7	कुलवर्षा	**14.00**				

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर द्वारा उपरोक्त मौसम के पूर्वानुमान के आधार पर **बीकानेर जिले** के किसान भाइयों को निम्नाकित सलाह दी जाती है।

- **आने वाले दिनों में दिन व रात के तापमान के कम होने, मध्यम आपेक्षिक आर्द्रता के साथ मध्यम गति की हवाएँ चलने, आसमान मे बादल छाये रहने और हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।**
- बारिश होने की संभावना है , अतः भविष्य के लिए पानी की प्रत्येक बूंद को बचाने का प्रयास करे , अनावश्यक रूप से जायद फसलों में सिंचाई नहीं करें।
- बारिश की संभावना से नुकसान को कम करने और उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए जितनी जल्दी हो सके फसलों (जैसे देरी से बोई गई गेहु आदि) की कटाई करके सुरक्षित स्थान पर रखने की व्यवस्था करें।
- जो फसलें कटाई करने के बाद भी अभी खेत में पड़ी हुई है उनको सुरक्षित रखने या गहाई करके भंडारण की व्यवस्था करें।
- जो किसान अपनी कृषि उपज को मंडी में बेचने के लिए आ रहे है, उन्हे भी उपज को बारिश से बचाने की व्यवस्था के साथ जैसे तिरपाल आदि के साथ आना चाहिए।
- गहाई करी हुई फसलों के भी सुरक्षित भंडारण की व्यवस्था करें।
- आने वाले दिनों में वर्षा होने की सम्भावना है अतः , किसी प्रकार के कृषि रसायन (पीड़कनाशी या पोषक तत्व) का छिड़काव नहीं करें। ऐसे छिडकाव के लिए मौसम खुलने (अच्छी धूप निकलने) का इंतजार करें।
- शुष्क क्षेत्रों में गर्मियों में हरे चारे की कमी हो जाती है , अतः पंजीकृत पशु चिकित्सक की सलाह से प्रोटीन युक्त , उच्च पोषण वाली यूरिया - मोलसेज ईंटों का निर्माण करके पशुओं को खिलाएँ ।
- जून - जुलाई मे पशुओं को हरे चारे की आपूर्ति हेतु पानी की उपलब्धता के आधार पर बाजरा , ज्वार,चवला आदि फसलों की बुवाई करे ।
- फरवरी के अंत मे बुवाई करे हुए हरे चारे वाले बाजरा की प्रथम कटाई (बुवाई के 40 से 55 दिन बाद) मे करे और शेष कटाइयाँ 30 से 40 दिन के अंतराल पर करे।
- पशुओं के लिए साफ एवं ताजा पीने के पानी की व्यवस्था करें।
- इस मौसम मे भेड व बकरी मे फडक्या एव टि पी आर और मुर्गीयो सी आर डी एव रानीखेत मे होने की संभावना है। इससे बचाव के लिए पशु चिकित्सक से मिलकर उचित टीके लगवाये ।